Sixteenth Loksabha

an>

Title: Speaker made valedictory reference on the conclusion of the 13th session of the 16th Lok Sabha.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सोलहवीं लोक सभा के तेरहवें सत्र के समापन पर मैं आप सभी से निवेदन करना चाहूंगी।

सोलहवीं लोक सभा का तेरहवां सत्र, जो 15 दिसम्बर, 2017 को आरम्भ हुआ था, आज समाप्त हो रहा है।

इस सत्र के दौरान, हमने 13 बैठकें कीं जो लगभग 61 घण्टे चलीं। इस सत्र के दौरान महत्वपूर्ण वित्तीय, विधायी और अन्य कार्य निपटाए गए। वऐान 2017-18 के लिए सप्लीमेंटरी डिमाण्ड्स फॉर ग्राण्ट्स - सेकण्ड एण्ड थर्ड बैच के बारे में छः घण्टे से अधिक की चर्चा हुई और तत्पश्चात् इन्हें मतदान के लिए रखा गया और संबंधित विनियोग विधेयक पारित किए गए।

वर्तमान सत्र के दौरान 16 सरकारी विधेयक पुरःस्थापित किए गए। यह बहुत अच्छी उपलब्धि है कि कुल मिलाकर 12 विधेयक पारित किए गए। पारित किए गए कुछ महत्वपूर्ण विधेयक निम्नलिखित हैं:

- केंद्रीय सड़क निधि (संशोधन) विधेयक, 2017
- The Requisitioning and Acquisition of Immovable Property (Amendment) Bill, 2017
- The National Capital Territory of Delhi Laws (Special Provisions) Second (Amendment) Bill, 2017
- The Goods and Services Tax (Compensation to States) Amendment Bill, 2017
- The Insolvency and Bankruptcy Code (Amendment) Bill, 2017
- The Muslim Women (Protection of Rights on Marriage) Bill, 2017
- उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश (वेतन और सेवा शर्त) संशोधन विधेयक, 2017

इस सत्र के दौरान, 280 तारांकित प्रश्न सूचीबद्ध किए गए, जिनमें से 45 प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए। इस प्रकार, औसतन प्रतिदिन लगभग 3.46 प्रश्नों के उत्तर दिए गए। शेऐा तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर 3220 अतारांकित प्रश्नों के उत्तरों के साथ सभापटल पर रखे गए।

सदस्यों ने प्रश्न काल के पश्चात् और शाम को देर तक बैठकर लगभग 198 अविलंबनीय लोक महत्व के मामले, जिसको आप जीरो आवर भी कहते हैं, मैटर्स ऑफ अर्जेंट पब्लिक इम्पोर्टेंस, उठाए। माननीय सदस्यों ने नियम 377 के अधीन 226 मामले भी उठाए।

स्थायी समितियों ने सभा में करीब 41 प्रतिवेदन प्रस्तुत किए।

सभा में दक्षिण भारत में 'ओक्खी' चक्रवात के विशेऐा संदर्भ में, देश के विभिन्न भागों में प्राकृतिक आपदाओं के बारे में नियम 193 के अधीन एक अल्पकालिक चर्चा भी हुई और चर्चा गृह मंत्री के उत्तर के सथ पूरी हुई। अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण विऐायों पर मंत्रियों द्वारा करीब 55 वक्तव्य दिए गए हैं और माननीय संसदीय कार्य मंत्री द्वारा सरकारी कार्य के बारे में 2 वक्तव्य दिए गए।

सत्र के दौरान, संबंधित मंत्रियों ने करीब 2255 पत्र सभा पटल पर रखे।

गैर-सरकारी सदस्यों के कार्य के अंतर्गत विभिन्न विऐायों पर गैर-सरकारी सदस्यों के करीब 98 विधेयक पुर:स्थापित किए गए। श्री विनसेंट एच.पाला द्वारा पिछले सत्रों के दौरान पेश किए गए संविधान की छठी अनुसूची (संशोधन) विधेयक, 2015 पर विचार किए जाने के प्रस्ताव को 29 दिसंबर, 2017 को आगे चर्चा के लिए लिया गया, तथापि चर्चा उस दिन पूरी नहीं हुई।

जहां तक गैर-सरकारी सदस्यों के संकल्पों का संबंध है, विभिन्न रक्षा स्थापनों के समीप स्थित भवनों के जीर्णोद्वार के संबंध में श्री गोपाल चिनय्या शेट्टी द्वारा पेश किए गए संकल्प पर 22 दिसंबर, 2017 को आगे चर्चा हुई तथा उसी दिन सभा की अनुमति से इसे वापस भी ले लिया गया। श्री राघव लखनपाल द्वारा 22 दिसंबर, 2017 को जनसंख्या नियंत्रण पर एक सख्त नीति के कार्यान्वयन के बारे में अन्य संकल्प पेश किया गया और इस पर आंशिक चर्चा हुई।

इस सत्र में, व्यवधानों और उसके परिणामस्वरूप किए गए स्थगनों के कारण 14 घंटे और 51 मिनट का समय नऐट हुआ, फिर भी सभा ने 8 घंटे और 10 मिनट देर तक बैठकर विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा भी की।

मैं इस अवसर पर माननीय उपाध्यक्ष और सभापति तालिका में शामिल अपने सहयोगियों का सभा के सुचारू रूप से संचालन में अपना सहयोग देने के लिए धन्यवाद करती हूं। मैं माननीय प्रधान मंत्री जी, संसदीय कार्य मंत्री जिनका बहुत बड़ा सहयोग रहा है, उनके साथ राज्य मंत्री और विभिन्न दलों के नेताओं, श्री खड़गे जी समेत, खड़गे जी का नाम ले रही हूं, बहुत अच्छा सहयोग दिया है, विभिन्न समूहों के नेताओं और मुख्य सचेतकों तथा सभी माननीय सदस्यों के प्रति उनके सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त करती हूं। मैं आप सभी की ओर से प्रेस और मीडिया के अपने मित्रों का भी धन्यवाद करना चाहूंगी। मैं इस अवसर पर हमारे महासचिव और लोक सभा सचिवालय के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को उनके द्वारा सभा को दी गई समर्पित और तत्काल सेवा के लिए धन्यवाद देती हूं। मैं सभा की कार्यवाही के सुचारू संचालन के लिए प्रदान की गई सहायता के लिए संबंधित सभी एजेंसियों का भी धन्यवाद करती हूं।

12.23 hrs **NATIONAL SONG**

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, कृपया अपने स्थान पर खड़े हो जाएं क्योंकि अब 'वंदे मातरम्' की धुन बजाई जाएगी।

(The National Song was played.)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned *sine die*.

12.24 hrs

The Lok Sabha then adjourned sine die.

---

* ईढ म्श्द अ थ्ठ्ठद्धत्ड्ढड्ड ठ्ठडद्दड्ढ य्ड्ढ दठ्ठथ्ड्ढ द्दढ ठ्ठ ड्ढश्रड्ड्ढद्ध त्दड्डत्हठ्ठद्ड्ढद्म् य्ठ्ठद्य् य्ड्ढ घ्द्वड्ढद्य्त्द्दद ध्ठ्ठद्म् ठ्ठहद्दव्ठ्ठथ्न्र् ठ्ठत्ड्ढड्ड द्दद य्ड्ढ ढथ्द्दद्ध द्दढ य्ड्ढ ख़्द्दव्दड्ढ डन्र् य्ठ्ठद्य् ड्ढश्रड्ड्ढद्ध.

* ग़्द्दद्य् द्धड्ढहद्दद्धड्डड्ढड्ड

* ईढ ड्ढड्ढददड्ढड्ढददय्ण् ड्डढद्रद्दद्धद्य् द्दढ य्ड्ढ व़्द्दश्त्द्ड्ढड्ढ द्दद Ed्ड्ढद्धदठ्ठथ् एढढठ्ठद्धद्म् (2017-18) ध्ठ्ठद्म् द्रद्धड्ढद्ड्ढददड्ढड्ड द्य्द्द ख़्द्दद?डड्ढ द्रड्ढठ्ठत्ड्ढद्ध,

ख्द्दत्त् ठ्ठडठ्ठ द्दद 31.08.2017 द्वदड्डड्ढद्ध Dद्धड्ढहय्त्द्दद 71ए द्दढ य्ड्ढ Dद्धड्ढहय्त्द्ददद्म् डन्र् य्ड्ढ द्रड्ढठ्ठत्ड्ढद्ध, ख्द्दत्त् ठ्ठडठ्ठ. ख़्द्दद?डड्ढ द्रड्ढठ्ठत्ड्ढद्ध

ठ्ठद्म् ठ्ठहहद्दद्धड्डड्ढड्ड द्रड्ढद्धर्द्म्म्त्द्दद ढद्दद्ध द्रद्धत्दय्त्दश्र्, द्रद्वडथ्त्हठ्ठय्त्द्दद ठ्ठदड्ड हद्धहद्वठ्ठय्त्द्दद द्दढ य्ड्ढ डड्ढद्रद्दद्धद्य् डड्ढढद्दद्धड्ढ द्य् द्म् द्रद्धड्ढद्ड्ढददड्ढड्ड/ठ्ठड्ड त्द य्ड्ढ ख़्द्दव्दड्ढ द्वदड्डड्ढद्ध ड्दव्ड्ढ 280 द्दढ य्ड्ढ ड्दव्ड्ढद्म् द्दढ य्ड्ढ द्धद्दहड्ढड्डद्वद्धड्ढ ठ्ठदड्ड व़्द्दड्डद्वहद्य् द्दढ द्वम्त्दड्ढद्द्म् त्द ख्द्दत्त् ठ्ठडठ्ठ द्दद 5.01.2018.

* ईढ व्त्थ्थ् ध्ठ्ठद्म् त्दद्द्धद्दड्डद्वहड्ढड्ड द्दद 10 एद्वश्द्वद्य्, 2015 ठ्ठदड्ड द्धड्ढढड्ढद्धद्धड्ढड्ड द्य्द्द य्ड्ढ द्ठ्ठदड्डत्दश्र् व़्द्दश्त्द्ड्ढड्ढ द्दद क्ष्द्दड्ड, व़्द्ददद्द्वथ्ड्ढद्ध एढढठ्ठद्धद्म् ठ्ठदड्ड द्वडथ्त्ह Dद्द्य्द्धत्डद्वय्त्द्दद ढद्दद्ध ड्ढठ्ठर्त्दठ्ठय्त्द्दद ठ्ठदड्ड द्धड्ढद्रद्दद्धद्य्. ईढ डड्ढद्रद्दद्धद्य् द्दढ य्ड्ढ व़्द्दश्त्द्ड्ढड्ढ ध्ठ्ठद्म् द्रद्धड्ढद्ड्ढददड्ढड्ड द्य्द्द ख्द्दत्त् ठ्ठडठ्ठ द्दद 26 एद्रद्धत्थ्, 2016. ए द्ठ्ठद्ड्ढथ्ड्ढददय् हद्दद्द्ठ्ठत्दत्दश्र् द्धड्ढठ्ठद्दम्द्दद्द्म् ढद्दद्ध ण्त्हण् य्ड्ढ व्त्थ्थ् द्म् डड्ढत्दश्र् र्द्य्ड्डद्धठ्ठध्द ठ्ठद्म् डड्ढड्ढद हद्धहद्वठ्ठद्ड्ढड्ड द्य्द्द ड्ढश्रड्ड्ढद्धद्म् द्दद 28 Dड्ढहड्ढश्रड्ड्ढद्ध, 2017 (ग्द्दद्धदत्दश्र्).

** ख्द्दद्द्धद्दड्डद्वहड्ढड्ड र्द्य्ण् य्ड्ढ द्धड्ढहद्दथ्ड्ढदड्डठ्ठय्त्द्दद द्दढ य्ड्ढ द्धड्ढम्ड्डड्ढददय्.

** ख्द्दद्द्धद्दड्डद्वहड्ढड्ड र्द्य्ण् य्ड्ढ द्धड्ढहद्दथ्ड्ढदड्डठ्ठय्त्द्दद द्दढ य्ड्ढ द्धड्ढम्ड्डड्ढददय्.